महोदय, रसायन और उर्वरक मंत्रालय द्वारा वर्तमान में सब्सिडी का 80 प्रतिशत भाग संबंधित उर्वरक उत्पादन करने वाली कम्पनियों को सीधे दिया जा रहा है और मात्र 20 प्रतिशत भाग राज्य सरकारों की जांच रिपोर्ट आने के बाद दिया जाता है। दुखद स्थिति यह है कि निजी उर्वरक कम्पनियों द्वारा जाली दावे बनाकर रसायन और उर्वरक मंत्रालय से सब्सिडी ली जा रही है, जबकि वास्तव में उनमें से अधिकांश का अस्तित्व ही नहीं है।

Economic Offence Wing (EOW) द्वारा की गई जांच के समय न तो इन कंपनियों ने अपने उर्वरक उत्पादन संबंधी कोई दस्तावेज प्रस्तुत किए और कई स्थानों पर तो तथाकथित कंपनियों का अस्तित्व ही नहीं था। इस प्रकार उर्वरक उत्पादक कम्पनी के नाम पर सरकारी धन की खुलकर लूट की जा रही है। EOW की जांच में यह भी एक खुलासा हुआ है कि जो कुछ उर्वरक की आपूर्ति की भी गई, वह दुपाहिया या तिपाहिया वाहन के द्वारा की गई तथा उसे सरकारी दस्तावेजों में ट्रक दर्शाया गया। EOW के अनुसार प्रतिवर्ष केवल उत्तर प्रदेश में ही 1200 करोड़ का घोटाला है तथा पूरे देश में लगभग 1,20,000 करोड़ का है।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि उर्वरक कम्पनियों को दी जाने वाली सब्सिडी पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए, कम्पनियों को अब तक दी गई सब्सिडी की जांच कराई जाए तथा सब्सिडी सीधे किसानों को उपलब्ध कराई जाए।

श्री महेन्द्र मोहन (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदय, मैं अपने आपको श्री वोरा जी के स्पेशल मेंशन के साथ एसोसिएट करता हूं।

Demand to Expedite Completion of National Highway No: 16 by The Border Roads Organisation connecting Chhattisgarh and Andhra Pradesh

श्री श्रीगोपाल व्यास (छत्तीसगढ़) : उपसभापति महोदय, मेरे स्पेशल मेंशन का विषय है – सीमा सड़क संगठन छत्तीसगढ़ व आंध्र प्रदेश को शीघ्र जोड़े।

महोदय, सभी जानते है कि छत्तीसगढ़ व आंध्र सर्वाधिक नक्सल प्रभावित हैं। छत्तीसगढ़ में बस्तर के केन्द्र जगदलपुर से आंध्र के निजामाबाद तक का राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 16 का काम सीमा-सड़क संगठन को 2001 में दिया गया था। निर्माण कार्य की धीमी गति होने के कारण वह निर्धारित अवधि, यानी 2010 तक पूरा होता नहीं दिखता। क्षेत्र के नक्सल ग्रस्त होने के कारण साधारण ठेकेदार उसे कर भी नहीं सकते। चूंकि सड़क निर्माण क्षेत्र की सुरक्षा व विकास के लिए शीघ्रातिशीघ्र आवश्यक है, मेरा सरकार से आग्रह है कि वह सीमा सड़क संगठन को न केवल काम पर बनाए रखे वरन् उसके काम में आ रहे अवरोधों को भी दूर करे।

श्री रुद्रनारायण पाणि (उड़ीसा) : महोदय, मैं श्री श्रीगोपाल व्यास जी के इस विशेष उल्लेख को एसोसिएट करता हूं।

Demand to take steps to make River Ram Ganga free of pollution

श्री वीर पाल सिंह यादव (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदय, मैं इस विशेष उल्लेख के माध्यम से रामगंगा नदी के प्रदूषण के विषय में कुछ कहना चाहता हूं।

महोदय, रामगंगा नदी उत्तराखंड के कालागढ़ बांध से निकलकर उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद, रामपुर, बरेली के शाहजहांपुर होते हुए फर्रूखाबाद जनपद में गंगा नदी में मिल जाती है। उक्त नदी में उक्त जनपदों में रहने वाली जनता की उतनी ही आस्था है, जिस तरह से आम जन की गंगा नदी में आस्था है, वहां दशहरा व पूर्णिमा को

गंगा स्नान करते हैं, परन्तु इस नदी में जनपद मुरादाबाद, जे.पी. नगर, रामपुर व बरेली की कई फैक्ट्रियों का गन्दा व प्रदूषित पानी व उक्त शहरों के गन्दे नाले मिलकर हालत यह बना देते है कि उक्त आस्था की नदी भी नाला बन जाती है और उसका पानी इतना प्रदूषित हो जाता है कि स्नान करने मात्र से चर्मरोग हो सकते हैं व उसका पानी जंगली अथवा पालतू जानवर पी लेते हैं तो वह मर जाते है। राम गंगा के खादर में रहने वाले हजारों पशु-पक्षी इसका पानी पीने से मौत का शिकार हो चुके हैं व इसके आसपास उगने वाली वनस्पति व पेड़-पौधे भी नष्ट हो गए हैं और आगे जाकर यह नदी गंगा नदी को भी प्रदूषित करती है।

अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि उक्त रामगंगा नदी को स्वच्छ बनाने की कृपा करें, जिससे वहां की जनता की आस्था को ठेस न पहुंचे। धन्यवाद।

श्री महेन्द्र मोहन (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदय, मैं अपने आपको श्री यादव जी के स्पेशल मेंशन के साथ एसोसिएट करता हूं।

Demand for early completion of railway projects in tribal areas of Orissa particularly in Mayurbhanj district

SHRI BHAGIRATHI MAJHI (Orissa): Sir, in the Railway Budget, 2009-2010, presented by the Government, the people of Mayurbhanj District of Orissa State have been neglected, as the tribal people of this region have got nothing.

During NDA regime, only a major work of broad gauge line conversion from Rupsa to Bangariposi was sanctioned which is also pending. Now, therefore, the people of the tribal dominated area of Mayurbhanj District of Orissa have four major demands. Firstly, the super fast train from Baripada to Bhubaneshwar has to be extended up to Puri. At present, there is no AC coach in this train. So, the demand is that AC coach has to be provided in the train. Secondly, there is an urgent need of a passenger train from Baripada to Howrah, a big market in Kolkata, for business class people. Third demand is construction of a new line from Baripada to Jamshedpur *via* Gorumahisani, which will be a major support for this area's development, and, fourth is that the Tata-Badampahar rail line should be extended up to Keonjhar.

I, therefore, request the Government to take immediate steps to fulfil the above mentioned demands of the people of Orissa.

SHRI RUDRA NARAYAN PANY (Orissa): Sir, I associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

Request to encourage the development of Life Sciences Laboratories of DRDO

SHRI SANTOSH BAGRODIA (Rajasthan): Mr. Deputy Chairman, Sir, I would like to draw the attention of the House to the unsung and often underestimated contribution of the nine life-sciences laboratories of DRDO in providing protection to our Armed Forces against hazardous environment. The mandate of these DRDO labs is to enhance survivability, sustainability, efficiency and lethality of our 13 million soldiers operating in extreme environmental conditions. Out of the total Defence R&D